शिक्षक पोर्टल एवं नवाचार समूह
मध्यप्रदेश

इस साल योग दिवस का कार्यक्रम वर्चुअल होगा

नई दिल्ली|कोरोना संकट की वजह से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम वर्चुअल होगा। आयुष मंत्रालय ने शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर वीडियो ब्लॉग प्रतियोगिता की घोषणा की। इसमें शामिल होने के लिए योगासन के 3 मिनट का वीडियो 'हैशटैग माई लाइफ माई योग' के साथ सोशल मीडिया पर 15 जून तक डालना होगा।

यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 4 अक्टूबर को

नई दिल्ली| यूपीएससी की सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 4 अक्टूबर को होगी। यह परीक्षा 31 मई को होनी थी, लेकिन टल गई। एनडीए परीक्षा 6 सितंबर को और पिछले साल सिविल सेवा परीक्षा में पास उम्मीदवारों का साक्षात्कार 20 जुलाई से शुरू होगा। यूपीएससी ने शुक्रवार को कहा कि मुख्य परीक्षा अगले साल 8 जनवरी को होगी।

प्राइवेट स्कूल अभिभावकों को एक मुश्त फीस के लिए नहीं करेंगे बाध्य

भास्कर न्यूज | सतना

कोरोना संक्रमण के चलते घोषित किए गए लॉकडाउन के बाद निजी स्कूलों की फीस के सम्बंध में जिला मजिस्ट्रेट अजय कटेसरिया ने निर्देश दिए हैं कि कोई भी प्राइवेट स्कूल संचालक अभिभावकों को एकमुश्त फीस के लिए बाध्य नहीं करेंगा। इतना ही नहीं अगर कोई स्कूल संचालक बच्चों के यूनिफार्म, स्टेशनरी की खरीदी के लिए किसी विशेष दुकान के लिए दबाव देता है तो उस पर धारा 188 एवं दुकान संचालक के विरुद्ध धारा 120 के उल्लंघन की कार्रवाई की जाएगी। जारी किए गए निर्देशों में कहा गया है कि जो पालक शैक्षणिक सत्र 2019-20 की फीस जमा नहीं कर पाए हैं वे अभिभावक बिना विलम्ब शुल्क के 30 जून तक फीस जमा कर सकते हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कोई भी प्राइवेट स्कूल फीस में वृद्धि नहीं कर सकेंगे। यदि अभिभावक शुल्क नहीं जमा कर पाते तो छात्र का नाम विद्यालय से नहीं काटा जाएगा। पालकों की सुविधा अनुसार मासिक शुल्क ली जाएगी। लॉकडाउन अवधि में शिक्षण शुल्क के अलावा किसी भी तरह की फीस स्कूल संचालक नहीं लेंगे।

गंगवार नगरीय विकास सचिव और जैन शाजापुर कलेक्टर बने

भास्कर न्यूज | भोपाल

राज्य सरकार ने 2004 बैच के आईएएस अधिकारी अजय सिंह गंगवार को नगरीय विकास एवं आवास विभाग का सचिव बनाया है। उन्हें हाल ही में सागर कमिश्नर पद से हटाकर शासन में सचिव पदस्थ किया गया था। इसी तरह मप्र लोक सेवा आयोग में सचिव व इंदौर में अपर कलेक्टर दिनेश जैन को शाजापुर का कलेक्टर बनाया गया है। संसदीय कार्य एवं खेल विभाग के प्रमुख सचिव पंकज राग को वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में विशेष आयुक्त (समन्वय) का प्रभार भी सौंपा गया है।

सीबीएसई ने दिया विकल्प

10वी, 12वीं के दिव्यांगों को परीक्षा न देने की मिली छूट

नई दिल्ली। सीबीएसई ने किसी सहायक की मदद से परीक्षा देने वाले 10वीं, 12वीं के दिव्यांग छात्रों को परीक्षा में शामिल ना होने का विकल्प

देते हुए कहा कि उनके परिणाम वैकल्पिक मूल्यांकन योजना के अनुसार घोषित किए जाएंगे। लॉकडाउन के कारण रद्द हुई बोर्ड की परीक्षाएं अब एक से 15 जुलाई के बीच होने वाली हैं। 'चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स' श्रेणी के तहत इस साल 10वीं के 6,844 और 12वीं में 3,718 छात्र हैं। 10वीं की परीक्षाएं उत्तर पूर्व दिल्ली में होगी।

कोरोना वायरस के प्रकोप से आर्थिक दिक्कतों के गुजर रहे आमजन स्कूल फीस देने की स्थिति में नहीं

निजी स्कूलों की फीस वसूली को लेकर राजनीति शुरू

मध्य स्वदेश ■ होशंगाबाद

कोरोना वायरस प्रकोप से जहां एक ओर आम जनता चिंतित है, निजी स्कूलों के सामने भी इस कोरोना से संकट गहरा गया है, इसमें स्कूल प्रबंधन फीस वसूली को लेकर चिंतित नजर आ रहे है।

ऐसे में राजनीतिक पार्टियों को बैठे बिठाए एक मुद्दा मिल गया है जिसे भुनाने की होड़ आज से शुरू हो गई, कांग्रेस अपनी पैठ बनाने को यहां जमीन तलाश रही थी कई जगह उसने स्कूल फीस को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिए, बच्चों के भविष्य की चिंता पलकों को भी सता रही है। पालक भी अपने-अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर खासे चिंतित है, ऐसे में पालकों की बजाय राजनीतिक पार्टी का बीच में कूदना कहीं मामले को बिगाड़ नहीं दें ? निजी स्कूल में वो सतर्कता नहीं रह सकती जो कोरोना वायरस फैलने से रोका जा सकें, इसलिए स्कूल खुलने की स्थिति अभी दिखाई नहीं पड़ती ऐसे में स्कूल को फीस देना भी पालकों को भारी पड़ेगा। हालांकि निजी स्कूल ऑनलाइन बच्चों को पढ़ा रहे है पर बच्चे कितना समझ पा रहे है यह तो बच्चे ही बेहतर बता सकते है पर स्कूल अपनी खाना पूर्ति जरुर पूरी कर रहे है। फिर कितने बच्चों के पास एंड्राइड फ़ोन है, या नहीं भी यह

नहीं कहा जा सकता। यह मुद्दा पालक और स्कूल प्रबंधन के बीच का है इसमें राजनीतिक टांग डालना कितना उचित है यह पालक भी जानते हैं, राजनीतिक पार्टियां भी जानती है। मगर स्कूल प्रबंधन के सामने आज संकट तो है वह स्टाफ को सेलरी कहाँ से दे? स्कूल मेंटेनेंस में काफी पैसा खर्च होता है। यह चिंता उन स्कूलों पर लागू नही होती जो बरसों से जमें जकड़े है।

उन्होंने बैंक बैलेंस बना रखा है जो मुश्किल घड़ी में स्टाफ को सेलरी दे सकते है पर वे स्कूल जो बच्चों की फीस से संचालित होते थे, उन स्कूलों के सामने यह संकट अवश्य दिखाई पड़ता है। यह पूरा मामला स्कूल प्रबंधन और पालकों के बीच दिखाई पड़ता, जिसमें दोनों ओर से समझौते की गुंजाइश दिखाई पड़ती है, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप कितना मददगार साबित होता यह देखने लायक होगा पर निजी स्कूलों का अब फीस लेना संकट में जरूर दिखाई पड़ता है।

इस समय खाद्य अधिकारी संकट के दौर में

मध्य स्वदेश, होशंगाबाद। गुटखा व्यापारी के मसले को लेकर इस समय खाद्य अधिकारी संकट के दौर में है, जो ना तो किसी से मुलाकात कर रहे न किसी का फोन उठा रहे हैं। ऐसे में अधिकारी विहीन मुख्यालय पर एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री का बेचें जाना आम जनता के लिए खतरे की घंटी बन सकता है। इस समय प्राय: दुकानदार के पास एक्सपायरी डेट की पैकिंग सामग्री बची हुई है जिन्हें नष्ट नहीं करके वे अपनी हानि उठाना पसंद नहीं करेंगे और न उन्हें अब अधिकारी का भय है जिसमें मल्टीनेशनल कंपनी ने तो सुना जा रहा है एक्सपायरी डेट की पेय पदार्थ वापस लेने की मनाही कर दी ऐसे में वर्तमान स्थिति को देखते हुए नये खाद्य अधिकारीयों की नियुक्ति की जाना जनहित में जरुरी समझ आती है।

आयोग ने जारी किया कैलेंडर

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा चार अक्टूबर को, 8 जनवरी से मेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लॉकडाउन खुलने के बाद संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को सिविल सर्विस प्रीलिमिनरी एग्जाम की तारीख की घोषणा कर दी है।

यूपीएससी का सिविल सर्विस और फॉरेस्ट सर्विस प्रीलिमिनरी एग्जाम 4 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया जाएगा। प्रीलिमिनरी के बाद सिविल सर्विस की मुख्य परीक्षाएं 8 जनवरी 2021 से शुरू होंगी।

20 जुलाई से सारे वर्चुअल इंटरव्यू

परीक्षाओं की तारीखों की घोषणा करने के साथ ही यूपीएससी ने कहा है कि सिविल सर्विस मेन एग्जाम 2019 के लिए इंटरव्यू जो कोरोनावायरस की वजह से रोक दिए ▶▶ शेष पेज 4 पर

6 सिंतबर को एनडीए व एनए परीक्षा

इसके अलावा एनडीए और एनए एग्जामिनेशन (1), 2020 रविवार के दिन 6 सितंबर को आयोजित किया जाएगा और एनडीए और एन (2), 2020 का एग्जाम भी 6 सितंबर को ही होगा। इस साल एनडीए और नौसेना अकेडमी में चयन के लिए एक ही परीक्षा आयोजित की जाएगी।

बीईओ बोले- मैंने नहीं बनाया अतिथि शिक्षक, जिसने रखा उससे वेतन मांगो

- अतिथि शिक्षक संघ ने सीएम को पत्र लिखने के साथ ही एसडीएम को एफआई दर्ज कराने दिया आवेदन
- आडियो की सीडी भी सौंपी

भोपाल। श्योपुर जिले के विजयपुर ब्लॉक में एक अतिथि शिक्षक को अपना तीन माह से रुका मानदेय मांगना तब भारी पड़ गया जब उसने बीईओ को मानदेय के लिए फोन लगा दिया। बीईओ ने अतिथि शिक्षक को गालियां देते हुए यह तक कह डाला कि मैने अतिथि शिक्षक नहीं बनाया है, जिसने बनाया है उनसे मानदेय मांगो। अब इस बातचीत की ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति ने मामले में ऑडियो विजयपुर ब्लॉक के बीईओ का बताते हुए अतिथि शिक्षक समन्वय समिति ने मामले की एफआईआर कराने के लिए स्थानीय एसडीएम को आवेदन सौपा है। साथ ही आडियो की डीवीडी भी एसडीएम को सौंपी है। हालांकि विभागीय अधिकारियों द्वारा इस ऑडियो की फिलहाल कोई पुष्टि नहीं की गई है। वहीं हरिभूमि इस ऑडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने बताया कि तीन चार माह से अतिथि शिक्षको को वेतन नहीं मिला है।

मप्र राज्य लोक सेवा आयोग की प्रावीण्य सूची में हैं सभी सहायक प्राध्यापक

नियुक्ति के इन्तजार में 91 सहायक प्राध्यापक?

भोपाल। मध्य प्रदेश में 3,422 से ज्यादा पदों पर मध्य प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग ने सहायक प्राध्यापक की भर्ती निकाली थी, जिसमें से 2791 पदों पर भर्तियां की गई हैं। 91 महिला उम्मीदवारों ने टॉप किया था और ये सभी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग से थीं। मध्य प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग के अधिकारियों ने अनारक्षित वर्ग की महिलाओं को आरक्षित वर्ग में शामिल कर दिया। महिलाओं की प्रावीण्य सूची को शून्य घोषित कर इन महिलाओं की जगह पर दूसरी महिलाओं को शामिल कर लिया है। महिलाएं आरक्षित श्रेणी में ही नियुक्ति को लेकर उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद भी निर्देश का इंतजार कर रही है।

क्या है पूरा मामला

मध्य प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग परीक्षा में महिलाओं को प्रावीण्य सूची में आने पर अनारक्षित महिला सीट पर चयनित किया गया। 18 सितंबर 2019 को उच्च न्यायालय ने उच्च शिक्षा विभाग और मध्य प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग को जिम्मेदारी देते हुए इन महिलाओं को तत्काल प्रभाव से नियुक्ति देने के आदेश दिए। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी अभ्यर्थियों को चॉइस फिलिंग भी कराई। उसके बाद इन टॉपर महिलाओं को यह कहकर रोक दिया गया कि इन पर स्पेसिफिक स्टे है। महिलाओं ने फिर उच्च न्यायालय की शरण ली।

सीएम को भेजा ऑनलाइन ज्ञापन

प्रावीण्य सूची में शामिल महिलाए 6 महीने से भटक रही है। जून 2018 में बाकी परीक्षार्थियों चॉइस फिलिंग की गई थी। सितंबर 2019 में सभी उम्मीदवारों ने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है। 91 प्रावीण्य सूची में शामिल महिलाओ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ऑनलाइन ज्ञापन भेजा है जिसमे जल्द से जल्द कार्यभार सौंपने के लिए गुहार लगाई है।

27 साल बाद हुई थी सहायक प्राध्यापक की भर्ती

मध्य प्रदेश ने वर्ष 2017 में सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा का विज्ञापन निकाला था। वर्ष 2018 में सहायक प्राध्यापक की भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। मध्य प्रदेश में 27 साल के लंबे इंतजार के बाद मध?य प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। इनमें 91 महिलाएं प्रावीण्य सूची में शामिल थी, लेकिन दो बार चॉइस फिलिंग होने के बाद भी बीते 6 महीने से ये अपनी नियुक्ति का इंतजार ही कर रही है।

उच्च न्यायालय ने भी पिछले साल दिए थे ये निर्देश

उच्च न्यायालय ने 18 अक्टूबर 2019 को अंतरिम राहत देते हुए ये निर्देश दिए कि ये सभी योग्य महिला अभ्यर्थी हैं और विभाग द्वारा इनकी नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू की जाए। इस निर्देश के बाद विभाग ने दोबारा इनकी चॉइस फिलिंग करवाई। विभाग ने दिसंबर 2019 में इन 91 योग्य महिला अभ्यर्थियों को छोड़कर सभी चयनितों को नियुक्ति दे दी। जबलपुर उच्च न्यायालय ने 20 दिन पहले ही अंतिम फैसला सुनाया जिसमें चयन सूची को संशोधित कर जल्द नियुक्ति देने के आदेश दिए है। उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रावीण्य सूची में शामिल इन 91 प्रतिभागियों को रोकना गलत था और इन सभी को और कष्ट से न गुजरना पड़े और जल्द से जल्द इन सभी को नियुक्तियां दी जाए।

मामा अपनी भांजियों को बांटेंगे गणवेश

भोपाल

प्रदेश भर की बच्चियों के मामा यानी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी भांजियों को गणवेश बांटने जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के 1 लाख 15 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों के बच्चों को यह गणवेश बांटी जाएंगी। भांजियों की गणवेश पर शिवराज सरकार करीब 510 करोड़ खर्च करेगी। गणवेश सिलाई का काम स्व सहायता समूहों के जरिए कराया जाएगा।

दरअसल, पिछले वर्ष तत्कालीन कांग्रेस सरकार मध्यप्रदेश की सत्ता पर काबिज होते ही स्कूली विद्यार्थियों को गणवेश के लिए चेक देने का फैसला किया था। लेकिन चेक देने में कई विसंगतियों के चलते शिवराज सरकार ने पुरानी व्यवस्था में बदलाव करते हुए अब स्कूली बच्चों को पुनः गणवेश देने का फैसला लिया है। सरकार का मानना है कि गणवेश की सिलाई सीधे स्व सहायता समूह जरिए कराई जाएगी। अर्थिक तंगी से जूझ रहे स्व सहायता समूहों की महिलाओं को स्वरोजगार मिल सकेगा और वे आर्थिक रूप से सक्षम एवं स्वावलंबी बन सकेंगी। इसके साथ ही स्कूलों के बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही समय पर गणवेश उपलब्ध हो सकेगी।

पंचायत विभाग निभाएगा भूमिका

सरकार आरोप-प्रत्यारोप से बचने के लिए स्कूली ड्रेस वितरण को अपने हाथ में न लेते हुए इसे पंचायत विभाग कराएगी। इसके लिए सरकार ने करीब 510 करोड़ रुपए की राशि सुनिश्चित की है। यह राशि स्कूल शिक्षा विभाग पंचायत विभाग को मुहैया कराएगा। इसके बाद पंचायत विभाग के अधिकारी स्व सहायता समूहों के जरिए गणवेश सिलाई का कार्य कराएंगे और सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को बांटी जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार अगस्त-सितंबर तक स्कूली बच्चों को गणवेश वितरित कर दी जाएगी।

हायर सेकेण्डरी की शेष परीक्षाओं के नवीन प्रवेश-पत्र जारी

बैढ़न, (नि.प्र.)। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की वर्ष 2020 की स्थगित हायर सेकेण्डरी की शेष विषयों की परीक्षा एवं जिला परिवर्तन किये गये छात्रों के नवीन प्रवेश.पत्र माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा 4 जून को जारी कर दिये गये हैंए जिन्हें संबंधित संस्था या छात्र एमण्पीण् ऑनलाइन पोर्टल से एवं मोबाइल एप के माध्यम से प्रवेश.पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। लॉकडाउन अथवा अन्य कारणों से कुछ परीक्षार्थी अपने वर्तमान निवास स्थान से अन्य स्थानों पर विस्थापित हुए हैं। इन परिस्थितियों में परीक्षार्थी को वर्तमान में जिस जिले में निवासरत हैंए उन्हें उसी जिले से परीक्षा में शामिल होने की सुविधा प्रदान की गई है। ऐसे परीक्षार्थियों को भी प्रवेश.पत्र जारी किये गये हैं। वहीं कुछ विस्थापित छात्र उक्त सुविधा के लिये ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत अपने पूर्व जिले के परीक्षा केन्द्र से ही शामिल होना चाहते हैं। ऐसे छात्रों को परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होने की स्थिति में परीक्षा में शामिल कराते हुए स्थानांतरित जिले के शिक्षा अधिकारी को सूचित किया जायेगा। यदि कोई छात्र निर्धारित तिथि में ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाया हैए तो ऐसे छात्र को जिला शिक्षा अधिकारी छात्र के आवेदन पर ही परीक्षा में शामिल कर सकेंगे तथा इसकी सूचना माध्यमिक शिक्षा मण्डल को देंगे। मण्डल ने यह सुविधा इसलिये दी है कि कोई भी छात्र परीक्षा देने से वंचित न रहे। सोशल डिस्टेंसिंग के लिये जिले में ;सम्पूर्ण केन्द्र परिवर्तन को छोड़कर निर्धारित उप केन्द्र पर शामिल छात्रों के प्रवेश.पत्र मूल परीक्षा केन्द्र के नाम से ही जारी किये गये हैं। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी एवं केन्द्राध्यक्ष छात्रों को उप केन्द्र की जानकारी देना सुनिश्चित करेंगे। जिन जिलों में सोशल डिस्टेंसिंग के पालन के लिये सम्पूर्ण केन्द्र परिवर्तन किये गये हैं, उन छात्रों के प्रवेश.पत्र नवीन शिक्षा केन्द्र अंकित कर जारी किये गये हैं।

ऑनलाइन प्राप्त प्रवेश पत्र में प्राचार्य के हस्ताक्षर व सील जरूरी नहीं

माशिमं ने 12वीं के छात्रों को दी राहत, 9 जून से होनी है परीक्षा

रीवा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल 12वीं के शेष विषयों की परीक्षा 9 जून से कराने जा रहा है। इस परीक्षा के लिए जारी ऑनलाइन प्रवेश पत्र में प्राचार्य के हस्ताक्षर व पदमुद्रा की बाध्यता नहीं होगी। इस बाबत माशिमं सचिव ने आदेश जारी कर दिए हैं। जारी पत्र में उल्लेख है कि संशोधित तिथि में परीक्षा हेतु, जिला परिवर्तन, केंद्र परिवर्तन के प्रवेश पत्र जिन छात्रों को ऑनलाइन जारी किए गए हैं, उनमें संस्था प्राचार्य के हस्ताक्षर व पदमुद्रा का प्रावधान है। पत्र में स्पष्ट किया गया कि जो छात्र ऑनलाइन प्राप्त प्रवेश पत्र में हस्ताक्षर व पदमुद्रा कराने में असमर्थ हैं, उन्हें इस कार्य के लिए केंद्राध्यक्ष द्वारा बाध्य न किया जाये तथा छात्रों को परीक्षा में सम्मलित करा लिया जाये।

गौरतलब है कि सभी परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र जारी हो चुके हैं। संशोधित प्रवेश पत्र संस्था प्राचार्य व केंद्राध्यक्ष द्वारा प्रदाय किए जा रहे हैं। इसके अलावा माशिमं ने ऑनलाइन भी प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए हैं, जिन्हें छात्र कहीं से भी एमपी ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। कक्षा 12वीं के शेष विषयों की परीक्षा के लिए यह दूसरे प्रवेश पत्र माशिमं ने जारी किए हैं। जिला परिवर्तन किए गए छात्रों के भी नवीन प्रवेश पत्र माशिमं ने जारी किए हैं। परीक्षा नियमावली में छात्रों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पूर्व परीक्षार्थी का केन्द्र में आना आवश्यक होगा, जिससे उसकी थर्मल स्क्रीनिंग की जा सके।

दो पालियों में होगी परीक्षा

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए माशिमं की 10वीं, 12वीं तथा व्यावसायिक परीक्षा पाठ्यक्रम की परीक्षा के 20 मार्च से 31 मार्च तक के प्रश्नपत्र स्थगित कर दिये गये थे। अब 9 जून से होने वाली परीक्षा में 24 हजार से अधिक परीक्षार्थियों को शामिल होना है। इनकी परीक्षा जिले के 99 परीक्षा केन्द्रों में दो पालियों में 9 जून से 16 जून तक आयोजित की जा रही है। लॉकडाउन के कारण अन्य जिलों के परीक्षा केन्द्रों के रीवा जिले में रह रहे परीक्षार्थी भी इसमें शामिल हो सकेंगे। बताया गया कि 12वीं तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम की समय सारिणी निर्धारित कर दी गई है। जिसके अनुसार परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तथा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। सभी परीक्षार्थियों को यथासंभव घर से ही पेयजल लेकर आने की सलाह दी गई है।

बारिश के पहले गिराऊ भवनों को हटाया जाएगा स्कूल भवनों में राहत शिविर बनाने की तैयारी

मानसून पूर्व की तैयारियों की बैठक में महापौर और निगमायुक्त ने व्यवस्थाएं तय की

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

वर्षाकाल से पूर्व शहरभर के नाले-नालियों की साफ सफाई कर ली जाएं। शहर के जीर्ण-शीर्ण भवनों को चिह्नित कर इन्हें गिराने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करें। ये निर्देश शुक्रवार को महापौर मीना जोनवाल और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा मानसून पूर्व की तैयारियों को लेकर ली गई बैठक में दिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से संभावित जल भराव वाले क्षेत्रों में रहवासियों को हर प्रकार की कठिनाईयों से बचाने के लिए किए जाने वाले उपायों पर भी चर्चा की गई। ये भी स्पष्ट किया गया कि निगम के सभी अधिकारी-कर्मचारी बिना सक्षम स्वीकृति के मुख्यालय नही छोड़ेंगें। महापौर व निगमायुक्त ने एक-एक बिंदू के बारे में अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देश दिए।

सड़कों से बिल्डिंग मटेरियल हटाएंगे, सड़कों का पेचवर्क व मेंटेनेस होगा, मड पंप खरीदे जाएंगे

» हेलोजन/पेट्रोमेक्स/पॉवर पंम्प्स तत्काल खरीदे जाएं।

» सड़कों से बिल्डिंग मटेरियल हटवाया जाएं ताकि ये बारिश में नालियों को जाम नहीं कर सके।

» पेंचवर्क व सड़कों के अन्य मेंटेनेंस पूर्ण कराएं ताकि नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो।

» जरूरत अनुसार मड पंप खरीदे जाए या रिपेयर करवाए जाएं।

» निगम की बिल्डिंग के बेसमेंट में जलभराव की आशंका को देखते हुए आवश्यक तैयारियां की जाएं।

» जल भराव स्थलों का सूचीबद्ध कर शिल्पज्ञ/स्वास्थ विभाग अपनी कार्य योजना बना लें।

» नोका/तैराक दल-होमगार्ड/पुलिस से समन्वय कर जन सुरक्षा के क्रम में आवश्यक कार्रवाई करें।

» शिक्षा विभाग से संपर्क कर चिन्हित स्कूलों के जिम्मेदार लोगों से अभी से चर्चा कर लें। ऐसे ही सभी जोन के बिजली कंपनी के अधिकारियों से भी जरूरी चर्चाएं कर ली जाएं।

» पुनर्वास स्थलों का भ्रमण कर उनसे जुड़े जिम्मेदारों से चर्चा कर ली जाएं ताकि जरूरत पड़ने पर वहां तुरंत इंतजाम किए जा सके।

» जिस अधिकारी-कर्मचारी को जो कार्य के सौंपा जाए वह स्वप्रेरणा से उसे करना सुनिश्चित करें।

» कंट्रोल रूम पर पदस्थ रहने वाले लोग अपने रोटेशन अनुसार अपने अधीनस्थों पर नियंत्रण-उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।

भोपाल में 51 पॉजिटिव, एक मौत

कर्मचारी संक्रमित मिलने के बाद संभाग आयुक्त कार्यालय बंद

कर्मचारियों को फोन कर दी ऑफिस नही आने की सूचना

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

शुक्रवार को राजधानी में 51 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। जबकि, हमीदिया अस्पताल में एक मरीज की मौत हो गई। नए संक्रमितों में संभागायुक्त कार्यालय का एक कर्मचारी भी शामिल है। शहर में अब पॉजिटिव मरीजों की संख्या 1845 पर पहुंच गई है। मृतकों की संख्या बढ़कर 62 पर पहुंच गई है। मृतक अशोक बाथम कोटरा सुल्तानाबाद के ईडब्ल्यूएस आवास में रहते थे। इनकी गली से 14 और लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है। जिनमें बाथम की पत्नी, बेटा और बेटी भी शामिल हैं। यही नहीं, नेहरू नगर में रहने वाले बाथम का भांजा और बहन की रिपोर्ट भी शुक्रवार को पॉजिटिव आई है। पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद संभागायुक्त कार्यालय बंद कर दिया है। कार्यालय के अन्य कर्मचारियों को फोन करके ऑफिस नहीं आने की सूचना दी गई। उक्त कर्मचारी के संपर्क में आने वालों को ट्रेस किया जा रहा है। संभाग आयुक्त कार्यालय को सेनेटाइज किया गया है। वहीं, अरेरा कॉलोनी के बघीरा अपार्टमेंट निवासी करीब 50 वर्षीय महिला की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। वे प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। इसके अलावा पॉजिटिव मरीजों की सूची में कम्मू के बाग के आठ और आचार्य नरेंद्र देव नगर के 3 पॉजिटिव मिले हैं।

दूसरे जिले में भी दे सकेंगे परीक्षा

खरगोन | माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2020 की स्थगित हायर सेकेंडरी की शेष विषयों की परीक्षा व जिला परिवर्तन किए गए विद्यार्थियों के नवीन प्रवेश-पत्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 4 जून को जारी कर दिए हैं। संबंधित संस्था या विद्यार्थी एमपी ऑनलाईन पोर्टल से एवं मोबाइल एप के माध्यम से प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसमें जो जिस जिले में निवासरत है, वह उस जिले में परीक्षा में शामिल हो सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी केके डोंगरे ने बताया ऑनलाइन आवेदन न करने पर भी विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

कंटेनमेंट एरिया में आया स्कूल, बदला परीक्षा केंद्र

भास्कर संवाददाता | खंडवा

माशिमं की 12वीं कक्षा की शेष परीक्षाएं 9 जून से दो शिफ्टों में होंगी। पहली शिफ्ट सुबह 9 से 12 बजे व दूसरी शिफ्ट में दोपहर 2 से 5 बजे तक रहेगी। परीक्षा समन्वयक उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य आरके सेन ने बताया शहर में स्थित सेंट थॉमस स्कूल लोहारी नाका केंद्र क्रमांक 562004 अब कंटेनमेंट जोन में है।

इसके कारण सेंट थामस की जगह पर अरविंद कुमार नितिन कुमार विद्यालय सिविल लाइन को नया परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यहां पर शासकीय कन्या विद्यालय सूरजकुंड, फिशर बॉयज स्कूल एवं गुरुनानक स्कूल के नियमित परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। अतः इस संस्थाओं के सभी परीक्षार्थियों को अपनी परीक्षा की निर्धारित तिथि व समय पर श्री अरविंद कुमार नितिन कुमार विद्यालय में उपस्थित होना होगा।

परीक्षार्थी को सर्दी-जुकाम तो कोरोना टेस्ट की सलाह दें

भोपाल| माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित 12वीं की परीक्षा मंगलवार से होगी। मंडल के सचिव अनिल सुचारी ने शुक्रवार को सभी कलेक्टरों, एसपी, जिला पंचायतों के सीईओ समेत विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा है कि परीक्षा केंद्रों पर थर्मल स्क्रीनिंग का इंतजाम किया जाए। स्क्रीनिंग के दौरान परीक्षार्थी का तापमान अधिक होने या फिर सर्दी-जुकाम के लक्षण पाए जाने पर ऐसे उन्हें आइसोलेशन कक्ष में बिठाया जाए। पेपर देने के बाद परीक्षार्थी को कोरोना टेस्ट कराने की सलाह भी दी जाए। बोर्ड द्वारा पहले ही हर परीक्षा केंद्र पर आइसोलेशन कक्ष बनाए जाने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए बनाए 12 केंद्र और 14 उपकेंद्र

भास्कर संवाददाता | इंदौर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 12वीं बोर्ड परीक्षा 9 जून से शुरू हो रही है। इसके चलते शुक्रवार को नए बनाए परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गई। इसमें 12 केंद्र और 14 उपकेंद्र तैयार किए गए हैं। इन नए परीक्षा केंद्रों के लिए कुछ सीबीएसई स्कूलों के साथ कुछ कॉलेजों को भी केंद्र बनाया गया है। इन केंद्रों को परिवर्तन किए जाने के बाद इनकी सूची को एजुकेशन पोर्टल पर अपलोड किया गया है। ऐसे में छात्रों को अब अपना नया प्रवेश पत्र डाउनलोड करना होगा। उसमें ही उन्हें नए परीक्षा केंद्र की जानकारी मिल जाएगी।

नई व्यवस्था • एकल नागरिक डाटाबेस हो रहा तैयार

अब सरकारी योजना का लाभ लेने बार-बार नहीं देना होगी जानकारी

प्रदेश में लोगों को लाभ देने के लिए 600 से अधिक योजनाएं संचालित होती हैं

पॉलिटिकल रिपोर्टर | भोपाल

सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को बार-बार जानकारी नहीं देना पड़ेगी। इसके लिए एकल नागरिक डाटाबेस तैयार किया जाएगा। इस डाटाबेस का उपयोग हर योजना में हो सकेगा।

प्रदेश में वर्तमान में लोगों को लाभ देने के लिए 600 से अधिक योजनाएं संचालित होती हैं। इन योजनाओं का फायदा देने के लिए हितग्राहियों का अलग-अलग रजिस्ट्रेशन किया जाता है। इससे शासकीय मशीनरी का बहुत समय खर्च होता है और जनता को भी बार-बार जानकारी उपलब्ध करानी होती है। एकल डाटाबेस बनाने के लिए समग्र डाटा को बेहतर बनाया जाएगा और आधार के बायोमेट्रिक का इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही विभिन्न प्रकार के डाटा का मिलान और नागरिक का बायोमेट्रिक्स सत्यापन कर एकल डाटाबेस का निर्माण किया जाएगा। इसे निरंतर अपडेट करने की व्यवस्था भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को इस संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। इसमें उन्होंने बताया कि एकल डाटा बेस की व्यवस्था लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक होगी। वर्तमान में राजस्थान, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में नागरिक डाटाबेस बनाया गया है। राजस्थान में यह योजना 'भामाशाह' और आंध्रप्रदेश व तेलंगाना में 'प्रजा साधिकार' नाम से संचालित है।

एकल डाटाबेस में देना होंगी यह जानकारियां

एकल नागरिक डाटाबेस में नागरिक का नाम, पता, उसकी शैक्षणिक योग्यता संबंधी सर्टिफिकेट, आय और जाति प्रमाण-पत्र, भूमि का विवरण, मूल निवासी प्रमाण पत्र, गरीबी रेखा प्रमाण पत्र आदि की जानकारी रहेगी। इससे योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

दूसरे जिले के परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र में संबंधित केंद्र का पता नहीं होने पर भी उसे परीक्षा से वंचित नहीं रखा जाएगा

आज से 3 दिन बाद 12वीं बोर्ड परीक्षा, जिले के कुल 24 हजार 112 में से 592 प्रवासी परीक्षार्थी शामिल होंगे

भास्कर संवाददाता | धार

9 जून से कक्षा 12वी बोर्ड के शेष विषयों की परीक्षा शुरू होगी। जिले के 126 केंद्रों पर 24 हजार 112 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिसमें 592 प्रवासी परीक्षार्थी है। दूसरे जिलों के परीक्षार्थियों के लिए मासूम ने जरूरी निर्देश यह दिए कि परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र में अगर संबंधित केंद्र का पता नहीं भी लिखा है तो भी उसे परीक्षा से वंचित नहीं रखा जाएगा। केंद्राध्यक्ष को उसे परीक्षा में बैठाना होगा।

हालांकि इसकी सूचना केंद्राध्यक्ष को अपने उच्चाधिकारी को जरूर देना होगी। धार जिले से कितने परीक्षार्थी दूसरे जिलों में रहकर परीक्षा देंगे। इसकी जानकारी अभी शिक्षा विभाग के पास भी नहीं आई है। परीक्षा को लेकर केंद्रों पर तैयारियां चल रही है। संबंधित केंद्राध्यक्ष को ही अपने केंद्र पर सैनिटाइजर, मास्क व अन्य व्यवस्था करना होगी। शिक्षा विभाग से एनआरएलएम से करीब 200 मास्क खरीदे हैं। कोई परीक्षार्थी किसी वजह से मास्क पहनकर नहीं पहुंचता है तो उसे केंद्र की तरफ से मास्क उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि यह सुविधा शुरू दिन ही मिलेगी। अगले दिन से उसे आवश्यक रूप से मास्क लगाकर आना होगा।

परीक्षा शुरू करने से पहले सैनिटाइज करना होंगे कक्ष

डीईओ मंगलेश व्यास ने बताया प्रत्येक परीक्षार्थी को सैनिटाइज व स्क्रीनिंग के बाद ही परीक्षा हॉल में प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए परीक्षार्थी को एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा। परीक्षा शुरू होने से पहले सभी कक्षों की सफाई कर उन्हें सैनिटाइज करना होगा। थूकने पर प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा के तत्काल बाद परीक्षार्थी भीड़ लगाकर केंद्र के बाहर खड़े नहीं रह सकते। उन्हें अपने घर या होस्टल की तरफ प्रस्थान करना होगा।

13 छात्रावास के 372 बच्चे परीक्षा देने के बाद घर नहीं जाएंगे

परीक्षा से पहले शिक्षा विभाग ने एक सर्वे भी किया है। विभागीय टीम ने छात्रावासों में पहुंचकर बच्चों से चर्चा की है। सामने आया बच्चों का उनका सहपाठियों से संपर्क हुआ। अधिकांश का जवाब रहा कि वे परीक्षा देने के बाद घर नहीं जाते हुए होस्टल में ही आकर रहेंगे। जिले में शिक्षा विभाग के कुल 13 छात्रावास है। जिसमें कुल बच्चों की संख्या 830 है। इसमें 372 बच्चे ऐसे हैं जो परीक्षा देने के बाद घर नहीं जाते हुए होस्टल में आकर रहेंगे। 458 बच्चे पुनः घर लौट जाएंगे।

राज्य स्तरीय ऑनलाइन क्विज स्पर्धा में श्रीमंत राणा प्रदेश में रहा प्रथम

खरगोन | विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता हुई। इसमें 550 विद्यार्थियों के अलावा 195 शिक्षक शामिल हुए। सीनियर वर्ग में खरगोन के कक्षा 11वीं के छात्र श्रीमंत अभय राणा प्रदेश में प्रथम रहे है। मात्र 30 मिनट की इस प्रतियोगिता में 50 सवालों के जवाब देना थे। इसमें श्रीमंत ने केवल 28 मिनट में ही प्रश्नों के जवाब दिए। उन्हें 100 में से 94 पाइंट मिले। श्रीमंत के मात्र 3 जवाब गलत थे। प्रतियोगिता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार से संबंध रखने वाली रोनाल्ड रॉस विज्ञान क्लब, कल्पना चावला साईंस क्लब, शासकीय कन्या उमावि सेगांव, न्यू विजन साईंस क्लब घोट्या व शासकीय उमावि घोट्या द्वारा निःशुल्क ऑनलाईन प्रतियोगिता रखी थी। कल्पना चावला साईंस क्लब के संयोजन प्रशांत भावसार एवं न्यू विजन साईंस क्लब की संयोजक रचना भावसार ने कहा कि विजेताओं का उज्जवल भविष्य है।

श्रीमंत राणा

क्या आप प्राकृतिक सफाई कर्मी जीव का नाम जानते हैं। पर्यावरण के सबसे बड़े दुश्मन पौधे का नाम पता हैं। ऐसे ही सवाल पूछे गए। प्रतियोगिता में पर्यावरण और जैव विविधता से संबंधित प्रश्न पूछे गए। यह हर व्यक्ति को जानना जरूरी है।

बालिका पहुंची थाने, बोली- पढ़ने नहीं देते मां और 2 भाई

सागर | मां और अपने दो भाइयों की प्रताड़ना से तंग गोपालगंज निवासी एक 14 वर्षीय बालिका शुक्रवार को दोपहर के वक्त रोते बिलखते थाने पहुंच गई। गोपालगंज टीआई प्रशांत मिश्रा ने बालिका के संबंध में विशेष किशोर पुलिस इकाई को सूचना दी। टीम तुरंत थाने पहुंची और बालिका की काउंसिलिंग की।

इकाई की ज्योति तिवारी को बालिका ने बताया कि उसकी मां राजकुमारी (परिवर्तित नाम) और दो भाई 21 वर्षीय रमाकांत (परिवर्तित नाम) 19 वर्षीय ऋषिकांत (परिवर्तित नाम) उसे प्रताड़ित करते हैं। मां और दोनों भाई मिलकर पीटते हैं। पहले घर का सारा काम कराते हैं। इसके बाद वार्ड के दूसरे घरों में काम करने के लिए भेजते हैं। टीम ने बालिका का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया। समिति ने बालिका को आश्रम में रखने का आदेश जारी कर दिया। इधर पुलिस ने मां और दोनों भाइयों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। लेकिन बाद में बालिका के मना करने पर पक्की एफआईआर दर्ज नहीं की।

गृह मंत्रालय की चेतावनी के बाद भी जूम एप पर शिक्षा विभाग की मीटिंग

अधिकारी बोले - जानकारी नहीं थी, अब नहीं करेंगे

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

गृह मंत्रालय की एडवाइजरी के बाद भी शिक्षा विभाग ने लापरवाही बरतते हुए जूम एप पर ही विभागीय अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों की मीटिंग लेने का सिलसिला रखा हुआ है। इस कारण शिक्षक और प्रधानाध्यापक भी जूम एप की मीटिंग का बहिष्कार कर चुके हैं।

अधिकारियों का कहना है कि एडवाइजरी के बारे में उन्हें जानकारी नहीं थी। अब वे जूम एप पर मीटिंग नहीं लेंगे। गृह मंत्रालय मंत्रालय ने चीनी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एप जूम का इस्तेमाल नहीं करने को लेकर एडवाइजरी जारी की थी। एडवाइजरी में चेतावनी देते हुए गृह मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिए थे कि यह एप सुरक्षित नहीं है। सरकारी इस्तेमाल के लिए इसे बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया जाए। साइबर अपराधी इसके जरिए लोगों और संगठनों की जानकारी चुरा रहे हैं। इसके बावजूद जिला शिक्षा विभाग और विभागीय अधिकारी जूम एप पर ही मीटिंग ले रहे हैं। यही वजह है कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी के बाद कई शिक्षक और प्रधानाध्यापक इस एप के इस्तेमाल का बहिष्कार कर चुके हैं। जिला परियोजना समन्वयक पीएस सोलंकी ने कहा जूम एप को लेकर जो एडवाइजरी जारी की गई है उसके अनुसार जांच करवाई गई है। अब आगे जूम एप पर मीटिंग नहीं आयोजित करवाई जाएगी।

शिक्षिका को मातृत्व अवकाश न देना पड़ा महंगा

ज्योति स्कूल प्राचार्य और प्रबंधक के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

शिक्षिका के परिवाद पत्र पर जिला न्यायालय ने लिया संज्ञान

जागरण, रीवा। विद्यालय की शिक्षिका को मातृत्व अवकाश न देना ज्योति स्कूल प्रबंधन को मंहगा पड़ गया। जिला न्यायालय ने ज्योति स्कूल प्राचार्य व प्रबंधक के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का आदेश के साथ ही मामला संज्ञान में लिया है। कोर्ट ने माना है कि एक महिला शिक्षिका मातृत्व अवकाश का न देना आपराधिक कृत है। विद्यालय के प्राचार्य समेंत विद्यालय प्रबंधक को 9 सितंबर को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है।

दरअसल ज्योति स्कूल की शिक्षिका तपस्या सिंह पत्नी राबिन सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड 33 घोघर द्वारा जिला न्यायालय रीवा में मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत परिवाद पत्र प्रस्तु किया था जिसमें उसके द्वारा बताया गया था उसके द्वारा मातृत्व अवकाशके लिए आवेदन किया था लेकिन विद्यालय प्राचार्य और प्रबंधक द्वारा अवकाश नहीं दिया जाकर अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए अपराध किया है।

शिक्षिका तपस्या सिंह ने परिवाद पत्र में ज्योति सीनियर सेकण्ड्री स्कूल रीवा बिशॉप हाउस सतना, प्रबंधक ज्योति सानियर सेकण्ड्री स्कूल रीवा तथा फादर मार्टिन, प्राचार्य ज्योति सीनियर सेकंडरी स्कूल रीवा के विरुद्ध परिवाद पत्र अन्तर्गत धारा 23 मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 (अत्र पश्चात अधिनियम), अपराध अन्तर्गत अधिनियम की धारा 21 सहंपठित धारा 120 ख भारतीय दण्ड विधान 1860 (अत्र पश्चात भादवि) प्रकरण पंजीवद्ध कर दंडित करने की मांग की थी। परिवाद की सुनवाई उपरांत प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी रीवा द्वारा दिए गए आदेश में यह माना है कि परिवादी तपस्या सिंह के परिवाद में यह दर्शित होता है कि परिवाद के प्रस्तावित अभियुक ज्योति स्कूल प्रबंधक व प्राचार्य फादर मार्टिन द्वारा मातृत्व लाभ परिवादी को नहीं दिया जाना दर्शित होता है। उक्त परिवाद के समर्थन परिवादी का शपथपत्र व सूची अनुसार दस्तावेजा में परिवादी की उपचार पर्ची तथा मेडिकल दरस्तावेजों की छार्यांप्रति संलग्न की गई है। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित अभियुक्तगण द्वारा जारी संविदा नियुक्ति एवं अनुबंध संवंधित पत्र 15जून 19 की छायाप्रति प्रस्तुत की गई है। प्रस्तावित अभियुक्त क्रमांक 02 ज्योति सीनियर सेकण्डरी स्कूल रीवा के प्रबधक हैं एवं प्रस्तावित अभिपुक्त क्रमाक 03 फादर मार्टिन प्राचार्य (वाईस चांसलर)ज्योति सीनियर सेकण्डरी स्कूल रीवा के विरुद्ध परिवाद में दर्शित तथ्यों के समर्थन में किए गए कथन एवं शपथ पत्र से समर्थित तथ्यों के आधार पर अभियुक्त क्रमांक 02 एव 03 के विरूद्ध मातृत्व लाभ अधिनियम की धारा 23 के अन्तर्गत संज्ञान लिया जाकर उक्त अधिनियम की धारा 21 का अपराध प्रस्तावित अभियुक्त क्रमाक 02 एवं 03 द्वारा किया जाना दर्शित होता है। अतः प्रस्तावित अभियुक्त क्रमाक 02 एवं 03 के विरूद्ध यह परिवाद अन्तर्गत धारा 21मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत पंजीवद्ध किया जाता है। इस मामले में ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाइशॉप सतना को जिम्मेदार नहीं माना गया है। कोर्ट ने दोनो अभियुक्तों के खिलाफ डॉकिट प्रस्तुत किए जाने पर सीआईएस में पंजीयन हेतु भेजे जाने का आदेश दिया है साथ ही दोनो अभियुक्तों को 9 सिंतबर 20 को कोर्ट में तलब किया है।

उज्जैन जिले के 301 विद्यार्थी अन्य जिलों में देंगे परीक्षा

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

माशिमं की 12वीं की स्थगित परीक्षाओं को 9 जून से कराने की तैयारी हो रही है। पहली बार मंडल ने यह व्यवस्था की है कि जो विद्यार्थी जिस जिले में हैं, वहीं से ही परीक्षा दे सकेंगे। उज्जैन जिले के 301 विद्यार्थी अन्य जिलों में जाकर परीक्षा देंगे। वहीं अन्य जिलों के 185 विद्यार्थी उज्जैन जिले में परीक्षा देंगे।

9 से 16 जून तक सुबह 9 से 12 बजे तक और दोपहर 2 से 5 बजे तक की शिफ्ट में परीक्षाएं होना है। जिला शिक्षा अधिकारी रमा नाहटे ने बताया जो विद्यार्थी कंटेंटमेंट क्षेत्र में रहते हैं, ऐसे परीक्षार्थियों को मार्च में परीक्षा के लिए जारी प्रवेश पत्र के आधार पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की अनुमति होगी। यदि मंडल द्वारा नए प्रवेश पत्र जारी किए जाते हैं तो उसकी सॉफ्ट कॉपी भी मान्य होगी। मार्च में जारी सभी प्रवेश पत्र मान्य होंगे।

शिक्षा विभाग • संबंधित संस्था तथा एमपी ऑनलाइन पोर्टल एवं मोबाइल एप के जरिए परीक्षार्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं

मंडल ने जारी किए शेष परीक्षाओं के नए प्रवेश पत्र

भास्कर संवाददाता | सागर

माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2020 की स्थगित कक्षा 12वीं के शेष विषयों एवं जिला परिवर्तन किए गए छात्रों के नए प्रवेश पत्र मंडल ने जारी कर दिए हैं। इनमें वे विद्यार्थी भी शामिल हैं जो लॉकडाउन या अन्य कारणों से अपने निवास के वर्तमान स्थान से अन्य जिले में रह रहे हैं।

कई विद्यार्थी इस सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद भी अपने पूर्व जिले के परीक्षा केन्द्र से ही शामिल होना चाहते हैं। ऐसे विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होने की स्थिति में परीक्षा में शामिल कराने के बाद स्थानांतरित जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना दी जाएगी। इन विद्यार्थियों के अलावा यदि कोई छात्र निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाया है तो ऐसे छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी आवेदन करने पर परीक्षा में शामिल कराकर मंडल को सूचित करेंगे। शेष विषयों की परीक्षाओं में शामिल होने वाले सभी छात्रों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन जारी कर दिए गए हैं।

4 जून से संबंधित संस्था तथा एमपी ऑनलाइन पोर्टल एवं मोबाइल एप के जरिए परीक्षार्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। सोशल डिस्टेंसिंग के पालन के लिए जिले में (संपूर्ण केन्द्र परिवर्तन को छोड़कर) निर्धारित उप केन्द्र पर परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश-पत्र मूल परीक्षा केन्द्र के नाम से ही जारी किए गए हैं।

एमपी बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षाएं सीबीएसई की तरह जुलाई में कराने की मांग

सागर | जिले में रोजाना सामने आ रहे कोरोना पॉजिटिव मामलों के मद्देनजर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की सागर इकाई ने 9 से 16 जून के बीच होने जा रही कक्षा 12वीं के शेष विषयों की परीक्षा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की तरह जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित करने की मांग की है। संघ ने इस मांग को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित मुख्य सचिव तथा सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल के नाम सिटी मजिस्ट्रेट पवन वारिया को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में कोविड-19 के संक्रमण से उत्पन्न संकट को देखते हुए छात्र एवं शिक्षक हित में 3 सूत्रीय मांगें रखी गई हैं। इनमें कहा गया है कि अभी इंदौर, भोपाल, उज्जैन, खंडवा, खरगोन, सागर शहर सहित प्रदेश के कई जिलों में रोजाना कोरोना पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा एवं बचाव जरूरी है। कई जिलों के परीक्षा केंद्रों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन (2 गज की दूरी) परीक्षा के दौरान संभव नहीं है। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बना रहेगा। परीक्षा केंद्रों पर 50-60 शिक्षक शिक्षिकाएं और अन्य स्टाफ भी रहेगा। इस कारण सीबीएसई परीक्षाओं की तरह जुलाई माह के प्रथम या द्वितीय सप्ताह में परीक्षाएं आयोजित की जाएं। 1 मई से सभी शिक्षकों का ग्रीष्मावकाश शुरू हो चुका है। इस अवकाश में भी शिक्षक यू-डाइस कोड, खाद्यान्न वितरण, दीक्षा कार्यक्रम, डिजिलैप शिक्षण, सीएम राइज का डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण, विभाग द्वारा संचालित अन्य कार्यों में भी संलग्न हैं और अवकाश के बाद भी ड्यूटी कर रहे हैं। अन्य विभाग के कर्मचारियों की तरह शिक्षकों को भी एक माह का अर्जित अवकाश दिया जाए। कोविड-19 से बचाव के काम में कई जिलों में शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यरत हैं। इसके बाद भी शिक्षकों और आदिम जाति कल्याण विभाग के शिक्षक संवर्ग को कोरोना योद्धा योजना में शामिल नहीं किया गया है। दोनों विभागों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी 50 लाख की बीमा योजना में शामिल किया जाए। एक सप्ताह में मांगों पर निर्णय नहीं लिए जाने पर संघ आंदोलन करेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष भगवान सिंह ठाकुर, संभागीय सचिव चंद्रभान सिंह व जिला सचिव अमोलक जैन शामिल हैं।

शिक्षक पद के अभ्यर्थी 24 जून तक कर सकेंगे अपलोडिड दस्तावेजों में सुधार

सागर | स्कूल शिक्षा विभाग ने उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षक पदों की सीधी भर्ती के तहत प्रावधिक चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों के लिए दस्तावेज अपलोड करने तथा पूर्व में अपलोड दस्तावजों में त्रुटि सुधार का एक और मौका दिया है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अभ्यर्थी त्रुटि सुधार, दस्तावेजों के सत्यापन के लिए पूर्व में चयनित जिले में परिवर्तन एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर 5 से 12 तथा 10 से 24 जून तक कर सकेंगे। अभ्यर्थी अपनी सुविधा अनुसार इन तारीखों में ऑनलाइन सुधार कर सकते हैं।

12वीं की परीक्षा • 9 जून को परीक्षा के पहले माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नए प्रवेश पत्र जारी किए, डाउनलोड कर सकेंगे

रेड जोन जिलों के 480 परीक्षार्थी भी 12 केंद्रों पर होंगे शामिल

भास्कर संवाददाता | खरगोन

कक्षा 12वीं की 9 जून से जिले के 90 केंद्रों पर परीक्षा शुरू होगी। इसमें रेड जोन व अन्य दूसरे जिलों के 480 परीक्षार्थी भी जिले के 12 केंद्रों पर परीक्षा देंगे। ये वे परीक्षार्थी हैं, जो रेड रेड जोन जिलों में से आकर यहां हैं। परीक्षा के लिए 4 जून को नए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। एमपी ऑनलाइन पोर्टल व मोबाइल एप से ऑनलाईन डाउनलोड किए जा सकते हैं। परीक्षा केंद्रों पर तैयारियों के संबंध में जिला व जनपद स्तर पर बैठक हो गई है। कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने जनपद व नगरीय निकायों को अपने क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों को सैनिटाइज करने व कोरोना से बचाव संबंधी सारी तैयारियां करने को कहा है। केंद्राध्यक्षों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराना होगा।

परीक्षा केंद्र क्रमांक 542017 बाल शिक्षा निकेतन उमावि खरगोन को क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया है। इस केंद्र का स्थान बदलकर नया केंद्र बनाया गया है। यहां परीक्षा दे रहे विद्यार्थी वैष्णव विद्या मंदिर खरगोन केंद्र पर परीक्षा देंगे।

नगरीय क्षेत्र में 27 व ग्रामीण क्षेत्र में 63 केंद्र बनाए

जिला शिक्षा अधिकारी केके डोंगरे ने बताया कि हायर सेकंडरी के कुल 17179 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जिले के नगरीय क्षेत्र में 27 केंद्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में 63 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें नगरीय क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों पर 10062 तथा ग्रामीण क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों पर 7117 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। अन्य जिलों के 480 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा तहसील स्तर पर 12 परीक्षा केंद्रों पर सम्मिलित किया गया है।

इधर... 16 केंद्रों पर 3352 विद्यार्थी देंगे परीक्षा, स्वास्थ्य विभाग के पास नहीं है स्क्रीनिंग मशीन

बड़वाह | माशिमं की हायर सेकंडरी की कक्षा 12वीं की परीक्षा के प्रश्न पत्र संक्रमण के पहले शेष रह गए थे। उन प्रश्न पत्रों की 9 जून से 16 जून तक परीक्षा होगी। परीक्षा ब्लॉक के 16 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इसमें 3352 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के 16 केंद्रों को 52 हजार 800 रुपए की राशि शासकीय उत्कृष्ट उमावि के खाते में पहुंची है। आवश्यकतानुसार मास्क, पेयजल के लिए डिस्पोजल गिलास, सैनिटाइजर पंप व इसमें उपयोग होने वाला रसायन, हाथ धुलाई के लिए साबुन के लिए 3300 रुपए की राशि केंद्राध्यक्ष को प्राप्त होगी। इस संबंध में केंद्राध्यक्षों को निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक सेंटर पर सैनिटाइजर की व्यवस्था की जाए। स्क्रीनिंग की व्यवस्था के साथ प्रत्येक शिक्षक व कर्मचारी मास्क लगाए हो। दूरी बनाकर बैठाया जाए। साबुन, पानी व स्वास्थ्य विभाग की टीम की मौजूदगी केंद्र के बाहर की जाए। वहीं कोई विद्यार्थी कोरोना पॉजिटिव हो या उसके परिवार का कोई सदस्य क्वारंटाइन किया है तो वह 12वीं की बोर्ड परीक्षा नहीं दे सकेगा। कंटेनमेंट क्षेत्र के सभी विद्यार्थी परीक्षा दे सकेंगे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंगः स्वयं सेवक टीम बालिका को डीजीलैप ग्रुप में जोड़ने का दिया सुझाव

रिंगनोद| बालिका शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था एजुकेट गर्ल्स द्वारा सरदारपुर ब्लॉक में बीआरसी व जनशिक्षकों के साथ ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। संचालन वीरेन्द्रसिंह राणावत ने किया। ब्लॉक ऑफिसर विकास मारू ने संस्था का परिचय दिया। ब्लॉक ऑफिसर कमलेश निरवेल ने सभी का स्वागत कर संस्था द्वारा आयोजित गतिविधियों से अवगत कराया। संस्था द्वारा कोविड-19 संक्रमण, शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी, इस सत्र में 6-14 वर्ष तक के बच्चों को कैसे शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं, केजीबीवी बालक-बालिका छात्रावास में पलायन से आए बच्चों का नामांकन कराने, ब्लॉक स्तर पर आरएसटीसी में 50 बच्चों का नामांकन कराने पर चर्चा, ग्राम स्तर पर समुदाय को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कैसे जागरूक किया जा रहा है इस पर चर्चा की। खंड अकादमिक समन्वयक मनीष चौबे, अनोखीलाल चौधरी ने संस्था के स्वयं सेवक टीम बालिका को डीजीलैप ग्रुप में जोड़ने का सुझाव दिया। संस्था जिले के 1249 गांवों में कार्यरत है। जहां संस्था का प्रतिनिधित्व संस्था के स्वयं सेवी टीम बालिकाएं करती हैं। मीटिंग में सभी जनशिक्षक, एजुकेट गर्ल्स जिला कार्यालय धार से जिला प्रबंधक रोहित चतुर्वेदी, डीपीओ राहुल बड़ोनिया, इम्पैक्ट असिस्टेंट अर्जुन हामड, पीओ अविनाश वर्मा शामिल हुए।

कोटरा में मरीज मिलने पर बैरिकेडिंग

कंटेनमेंट के पास बने परीक्षा केंद्र को लेकर अभिभावक परेशान

भोपाल| कोटरा में कोरोना पॉजिटिव मिलने से 12वीं के स्टूडेंट्स और अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल, जिस क्षेत्र में गुरुवार को 14 मरीज मिले हैं, उसी क्षेत्र में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में माध्यमिक शिक्षा मंडल का परीक्षा केंद्र भी है। जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने मौके का निरीक्षण कर कहा कि परीक्षा केंद्र कंटेननमेंट एरिया से बाहर है। स्कूल में एंट्री के मार्ग सुरक्षित हैं। हालांकि इस क्षेत्र में जिन लोगों के कोरोना की जांच के लिए सैंपल लिए गए हैं। उनकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद स्थिति को देखकर केंद्र बदलने का निर्णय लिया जाएगा। इस केंद्र में करीब 200 छात्र अलग-अलग शिफ्ट में परीक्षा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र बदला जाएगा तो स्टूडेंट्स और अभिभावकों को जानकारी दी जाएगी।

हायर सेकेण्डरी की शेष परीक्षाओं के नवीन प्रवेश पत्र जारी

रीवा(नव स्वदेश)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2020 की स्थगित हायर सेकेण्डरी की शेष विषयों की परीक्षा एवं जिला परिवर्तन किये गये छात्रों के नवीन प्रवेश पत्र माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा 4 जून को जारी कर दिये गये हैं, जिन्हें संबंधित संस्था या छात्र एमपी आनलाइन पोर्टल से एवं मोबाइल एप के माध्यम से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। लॉकडाउन अथवा अन्य कारणों से कुछ परीक्षार्थी अपने वर्तमान निवास स्थान से अन्य स्थानों पर विस्थापित हुए हैं। इन परिस्थितियों में परीक्षार्थी को वर्तमान में जिस जिले में निवासरत हैं, उन्हें उसी जिले से परीक्षा में शामिल होने की सुविधा प्रदान की गई है। ऐसे परीक्षार्थियों को भी प्रवेश पत्र जारी किये गये हैं। वहीं कुछ विस्थापित छात्र उक्त सुविधा के लिये आनलाइन आवेदन करने के उपरांत अपने पूर्व जिले के परीक्षा केन्द्र से ही शामिल होना चाहते हैं। ऐसे छात्रों को परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होने की स्थिति में परीक्षा में शामिल कराते हुए स्थानांतरित जिले के शिक्षा अधिकारी को सूचित किया जायेगा।

आनलाइन आवेदन न करने पर भी दें सकेंगे परीक्षा

यदि कोई छात्र निर्धारित तिथि में आनलाइन आवेदन नहीं कर पाया है तो ऐसे छात्र को जिला शिक्षा अधिकारी छात्र के आवेदन पर ही परीक्षा में शामिल कर सकेंगे तथा इसकी सूचना माध्यमिक शिक्षा मण्डल को देंगे। मण्डल ने यह सुविधा इसलिये दी है कि कोई भी छात्र परीक्षा देने से वंचित न रहे। सोशल डिस्टेंसिंग के लिये जिले में (संपूर्ण केन्द्र परिवर्तन को छोड़कर) निर्धारित उप केन्द्र पर शामिल छात्रों के प्रवेश पत्र मूल परीक्षा केन्द्र के नाम से ही जारी किये गये हैं। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी एवं केन्द्राध्यक्ष छात्रों को उप केन्द्र की जानकारी देना सुनिश्चित करेंगे। जिन जिलों में सोशल डिस्टेंसिंग के पालन के लिये संपूर्ण केन्द्र परिवर्तन किये गये हैं, उन छात्रों के प्रवेश पत्र नवीन शिक्षा केन्द्र अंकित कर जारी किये गये हैं।

महिला टीचर पर एक साथ 25 स्कूलों में पढ़ाकर एक करोड़ सैलरी लेने का आरोप

यूपी के मैनपुरी की घटना

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में शिक्षा विभाग में एक बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। आरोप है कि यहां कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में तैनात एक साइंस की टीचर ने एक साथ 25 स्कूलों में नौकरी की। इस दौरान उसे सभी स्कूलों से सैलरी मिलती रही। 13 महीने में कुल 1 करोड़ रुपए का भुगतान हुआ। अब शिक्षा विभाग इसकी जांच करा रहा है। आरोप सही पाया गया, तो एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश हो सकता है। जानकारी के मुताबिक, मैनपुरी की रहने वाली टीचर अनामिका शुक्ला कथित तौर पर प्रयागराज, अंबेडकरनगर, अलीगढ़, सहारनपुर, बागपत जिले के केजीबीवी में एक साल से ज्यादा समय से नियुक्त हैं। इन स्कूलों में टीचर की नियुक्ति कांट्रेक्ट बेस पर होती है। इन शिक्षकों को हर महीने 30 हजार रुपए वेतन दिया जाता है। अनामिका फरवरी तक रायबरेली के केजीबीवी में नियुक्त रही। इसके बाद यह मामला प्रकाश में आया। इसके बाद जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश ने आरोपी टीचर को नोटिस भेजा तो वह उपस्थित नहीं हुई। इसके जवाब में 26 मई को वॉट्सऐप पर अपना इस्तीफा भेज दिया। विभाग के डीजी विजय किरण आनंद ने बताया कि इस मामले में मार्च में आई मीडिया रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू की गई थी। जिन जिलों में उनकी पोस्टिंग बताई गई, वहां के मंडलीय अधिकारी को जांच दी गई है। अभी तक आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है। जांच चल रही है।

हायर सकेण्डरी तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम की शेष प्रश्न पत्रों की बोर्ड परीक्षा 9 जून से

रीवा । . कोरोना संक्रमण के कारण मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा संचालित हायर सेकेण्डरी परीक्षा तथा व्यावसायिक परीक्षा पाठज्क्रम की परीक्षा के 20 मार्च से 31 मार्च तक के प्रश्नपत्र स्थगित कर दिये गये थे। इनकी परीक्षा जिले के 99 परीक्षा केन्द्रों में दो पालियों में 9 जून से 16 जून तक आयोजित की जा रही है। कोरोना संक्रमण से बचाव के शासन के निदेर्शों का पालन करते हुए परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जायेगा। परीक्षा कक्ष में एक मीटर की फिजिकल दूरी बनाकर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। लॉकडाउन के कारण अन्य जिलों के परीक्षा केन्द्रों के रीवा जिले में रह रहे परीक्षार्थी भी इसमें शामिल हो सकेंगे।

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी आरएन पटेल ने बताया कि हायर सेकेण्डरी तथा व्यावसायिक पाठज्क्रम की समय सारिणी निर्धारित कर दी गई है। जिसके अनुसार परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तथा दोपहर 2 से शाम पांच बजे तक होगी। प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा शुरू होने से पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचना आवश्यक होगा। मंगलवार 9 जून को प्रथम पाली में केमेस्ट्री तथा दूसरी पाली में भूगोल के पेपर होंगे। बुधवार 10 जून को प्रथम पाली में बुक कीपिंग एवं एकाउटेंसी तथा दूसरी पाली में वोकेशनल कोर्स का प्रथम प्रश्नपत्र होगा। गुरूवार 11 जून को केवल प्रथम पाली में बॉयलाजी का पेपर होगा।

> जिले में 99 परीक्षा केन्द्रों में होंगी हायर सेकेण्डरी बोर्ड की परीक्षा

जिला शिक्षाधिकारी ने बताया कि शुक्रवार 12 जून को प्रथम पाली में व्यावसायिक अर्थशास्त्र तथा दूसरी पाली में एनीमल हस्बैन्ड्री मिल्क ट्रेड पोल्ट्री फार्मिंग एवं फिसरीज का पेपर होगा। शनिवार 13 जून को प्रथम पाली में राजनीति शास्त्र तथा दूसरी पाली में शरीर रचना क्रिया विज्ञान, स्टिल लाइफ एण्ड डिजाइन तथा वोकेशनल कोर्स का दूसरा प्रश्नपत्र होगा। सोमवार 15 जून को प्रथम पाली में हायर मैथमैटिक्स तथा दूसरी पाली में विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, वोकेशनल कोर्स का तीसरा प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा के अंतिम दिन मगंलवार 16 जून को प्रथम पाली में अर्थशास्त्र तथा दूसरी पाली में क्राप प्रोडक्शन एण्ड हार्टीकल्चर के पेपर होंगे। सभी परीक्षार्थियों को केन्द्राध्यक्ष प्रवेश पत्र जारी करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षार्थियों से कोरोना संक्रमण के बचाव के उपायों का पालन करने तथा यथा संभव घर से ही पेयजल लेकर आने की सलाह दी है।

परीक्षा केन्द्रों में कोरोना संक्रमण से बचाव के सभी उपाय करें केन्द्राध्यक्ष : कलेक्टर

कोरोना संक्रमण से बचाव के उपायों के साथ होगी बोर्ड परीक्षा

रीवा । माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश की हायर सेकेण्डरी परीक्षा के शेष प्रश्नपत्रों की परीक्षा 9 जून से 16 जून तक आयोजित की जा रही है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर बसंत कुर्रे ने बोर्ड परीक्षा तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा संचालित करने का अच्छा अनुभव है लेकिन कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा के संबंध में कई नये निर्देश जारी किये गये हैं। सभी केन्द्राध्यक्ष परीक्षा केन्द्रों में कोरोना संक्रमण से बचाव के उचित प्रबंध करें। परीक्षार्थियों को फिजिकल दूरी एक मीटर बनाकर बैठने की व्यवस्था करें। परीक्षा केन्द्रों में शिक्षकों, अन्य कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र की परीक्षा के बाद परीक्षा केन्द्र के सभी कक्षों को सेनेटाइज किया जायेगा। इसकी व्यवस्था शहरी क्षेत्र में नगरीय निकाय तथा ग्रामीण क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी करेंगे। सभी परीक्षा केन्द्रों में सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

कलेक्टर ने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्ष अच्छी गुणवत्ता की थर्मल स्क्रीनिंग, थमार्मीटर की तत्काल व्यवस्था कर लें। प्रत्येक विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही उसे परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जायेगा। स्क्रीनिंग के दौरान यदि किसी विद्यार्थी में सर्दी, खांसी अथवा बुखार के लक्षण पाये जाते हैं तो उसे अलग कक्ष में बैठकर परीक्षा देने की व्यवस्था करें। थर्मल स्क्रीनिंग के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में स्वास्थ्यकर्मी तैनात करें। यदि किसी विद्यार्थी को स्वास्थ्य संबंधी कठिनाई है तो केन्द्राध्यक्ष तत्काल बीएमो से सम्पर्क कर उपचार की व्यवस्था करायेंगे।

कलेक्टर ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण परीक्षा देने वाले तथा परीक्षा लेने वाले दोनों के मन में कही न कहीं भय होगा। सभी केन्द्राध्यक्ष इस भय को दूर कर सुगमता से बोर्ड परीक्षाओं का संचालन करें। इसमें यदि किसी तरह की कठिनाई आती है तो तत्काल हम सबको अवगत करायें। हर समस्या का तत्काल समाधान किया जायेगा। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के लिए राजस्व अधिकारी तैनात किये गये हैं। इनके सतत सम्पर्क में रहकर परीक्षा केन्द्र की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्पित वर्मा ने कहा कि परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। प्रत्येक केन्द्र में केन्द्राध्यक्ष कम से कम 50 सूती मास्क की व्यवस्था कर लें। यदि कोई परीक्षार्थी भूलवश मास्क नहीं लाता है तो उसे मास्क देकर परीक्षा में शामिल करायें। परीक्षा केन्द्र में केन्द्राध्यक्ष सहित सभी व्यक्तियों द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केन्द्र में पान, गुटखा, तम्बाकू आदि का उपयोग भी पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिले में कंटेनमेंट एरिया घोषित होने के कारण चार परीक्षा केन्द्रों के स्थान में परिवर्तन किया गया है। इसकी सूचना उन केन्द्रों के परीक्षार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। लॉकडाउन के कारण जिले में फंसे हुए 269 अन्य जिलों के परीक्षार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन किया है। इनके लिए निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में व्यवस्था की गई है। इनके अलावा भी यदि दूसरे जिले में परीक्षा में शामिल कोई ऐसा परीक्षार्थी आता है जिसने ऑनलाइन आवेदन नहीं किया है किन्तु परीक्षा में शामिल होना चाहता है तो उसे केन्द्राध्यक्ष परीक्षा में शामिल करायें, साथ ही इसका अनुमोदन वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त करें। सभी परीक्षा केन्द्रों में स्वच्छ शौचालय की भी व्यवस्था करायें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक परीक्षार्थी को अपने घर से पीने का पानी लेकर आने की सलाह दें। साथ ही परीक्षा केन्द्र में स्वच्छता के साथ कागज के डिस्पोजल ग्लास में परीक्षार्थियों को पेयजल देने की व्यवस्था करें।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी आरएन पटेल ने बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्ष प्रश्नपत्रों का भौतिक सत्यापन कर लें। संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों में प्रेक्षक की तैनाती रहेगी, साथ ही वीडियोग्राफी भी की जायेगी। परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पूर्व परीक्षार्थी का केन्द्र में आना आवश्यक होगा जिससे उसकी थर्मल स्क्रीनिंग की जा सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएस पाण्डेय, डीपीसी सुदामा गुप्ता, सहायक संचालक पीएल मिश्रा, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा सभी केन्द्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

ऑनलाइन क्लासेस में 26% छात्रों से काम नहीं चलेगा, शेष 74% छात्रों को भी जोड़ना होगा

शिक्षा विभाग की बैठक में जिपं सीईओ ने दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता | जबलपुर

जिला पंचायत के सीईओ और पदेन अपर संचालक शिक्षा प्रियंक मिश्रा ने कहा कि जबलपुर में कक्षा पहली से आठवीं तक केवल 26 प्रतिशत छात्र ऑनलाइन क्लासेस से जुड़ पाए। इससे काम नहीं चलेगा। हर हाल में ऑनलाइन क्लासेस से वंचित 74 प्रतिशत छात्रों को भी ऑनलाइन क्लासेस से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि इस काम में यदि कोई अधिकारी या शिक्षक लापरवाही करता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान पाटन और मझौली के बीआरसी ने बताया कि उनके क्षेत्र में सीएसी नहीं हो पा रही है। इस पर श्री मिश्रा ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर प्रभारी जनशिक्षक रखने का निर्देश दिया है। पुस्तक एवं गणवेश वितरण का काम आजीविका मिशन एनआरएलएम के माध्यम से कराने का निर्देश दिया है। बैठक में डीईओ सुनील नेमा, डीपीसी योगेश शर्मा के साथ सभी बीईओ और बीआरसी भी मौजूद थे।पी-6

तेवर में ऑनलाइन मीटिंग, शामिल हुए 34 छात्र और अभिभावक

जनशिक्षा केन्द्र तेवर में शुक्रवार को ऑनलाइन मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में 34 छात्र और अभिभावक शामिल हुए। इस मीटिंग में एपीसी घनश्याम बर्मन और बीआरसी टीपी पटेल भी शामिल थे।

50 दिव्यांग बच्चे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े

जनपद शिक्षा केन्द्र नगर-2 के अंतर्गत शुक्रवार को 50 दिव्यांग बच्चों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य शिक्षा केन्द्र की उप संचालक अनुभा दुबे और सहायक संचालक अशोक पारीक से बातचीत की। बच्चों ने अधिकारियों को कविताएँ और गिनती सुनाई। अधिकारियों ने भी बच्चों को जमकर प्रोत्साहित किया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

प्राइवेट स्कूलों में 5 महीने की फीस माफ की जाए

खाक एंड क्लीन परिवार और मध्यप्रदेश पेरेन्ट्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को प्राइवेट स्कूलों में 5 महीने की फीस माफ करने की मँग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम पर संभागीय उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि सरकार गरीबों को तीन-तीन महीने का राशन और बिजली बिल में सहुलियत दे रही है। ऐसे समय में सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग प्रभावित है। इसको देखते हुए प्राइवेट स्कूलों की पाँच महीने की फीस माफ की जानी चाहिए। ज्ञापन देने वालों में अधिवक्ता अमित सिंह, हेमंत पटेल, सचिन गुप्ता और जय चौकसे शामिल थे। 6 जून को सुबह 9 से सभी विधायकों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

वार्तालाप सांसद उदय प्रताप सिंह और विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने की अधिकारियों से बात

इंजीनियरिंग छात्रों के लिए होशंगाबाद बन सकता है परीक्षा केन्द्र

मध्य स्वदेश ■ इटारसी

यदि प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां पूर्ण हो गयी तो इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को जिले से बाहर परीक्षा देने नहीं जाना पड़ेगा। दरअसल, राज्य सरकार ने फाइनल ईयर के स्टुडेंट की परीक्षा लेने का निर्णय लिया है। इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए सेंटर की च्वाइस भोपाल रखी गयी। ऐसे में विद्यार्थियों के सामने समस्या यह थी कि ट्रेनें बंद हैं और सुबह पेपर देने बाइक या अपने किसी साधन से जाया नहीं जा सकता था। ऐसे में विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने राजीव गांधी प्रौद्योगिक विश्व विद्यालय के कुलपति से चर्चा कर छात्रों की सुविधा अनुसार होशंगाबाद जिले में ही परीक्षा केन्द्र बनाने को कहा। बताते हैं कि कुलपति ने इसमें सहमति दे दी है और जिला प्रशासन भी तैयारी कर रहा है। विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा के ध्यान में यह मामला पत्रकार चंद्रकांत अग्रवाल लेकर आये थे। श्री अग्रवाल ने सांसद उदयप्रताप सिंह को भी इसकी जानकारी दी थी और सांसद ने भी वीसी से बात करके उनको बताया था कि उनकी बात हो गयी है, वीसी सहमत हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि पहले परीक्षा फार्म भरने के वक्त इटारसी और होशंगाबाद सेंटर बताये गये थे। लेकिन, फिर दोनों शहरों को हटा दिया और निकट का केन्द्र भोपाल दर्शाया। ऐसे में दिक्कत यह है कि ट्रेनें स्पेशल ही चल रही हैं, जिनमें बिना रिजर्व टिकट के यात्रा संभव नहीं है। कई स्टुडेंट इतने सक्षम नहीं कि वे कार आदि से जा सकें। सुबह की शिफ्ट में पेपर होने से बाइक से जल्दी भोपाल पहुंचना संभव नहीं। यदि किसी तरह से तीन घंटे के बाइक से सफर करके स्टुडेंट पहुंच भी जाता है तो वह परीक्षा देने की स्थिति में नहीं रह सकेगा। इन सारी परेशानियों के बाद विधायक डॉ. शर्मा ने विवि के कुलपति से बात की तो वे इस बात से राजी हो गये, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव जिला प्रशासन के मार्फत भेजने को कहा। जिला प्रशासन भी है तैयार विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा को कलेक्टर धनंजय सिंह ने आश्वस्त किया है कि जिला प्रशासन सारी तैयारी करेगा और यहां परीक्षा करायी जा सकेगी। बताया जाता है कि इस पूरे मामले को अतिरिक्त कलेक्टर जीपी माली देखेंगे। हालांकि परीक्षा नियंत्रक इतनी जल्दी सारी तैयारी और बदलाव के पक्ष में नहीं थे। लेकिन, वीसी की सहमति के बाद माना जा रहा है कि स्टुडेंट्स को यह सुविधा मिल जाएगी। सांसद प्रतिनिधि दीपक हरिनारायण अग्रवाल को भी विधायक डॉ. शर्मा ने अधिकारियों से बातचीत करके मामले का हल निकालने की जिम्मेदारी दी थी।

पश्चिम मध्य रेलवे के जीएम ने किया निरीक्षण

इटारसी। इटारसी से खंडवा स्टेशन तक विंडो निरीक्षण पर पहुंचे पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एसके सिंह निरीक्षण के उपरांत डीजल शेड और लोको शेड पहुंचे। इस दौरान डब्ल्यूसीआरएमएस के पदाधिकारियो ने उनसे मुलाकात कर कुछ मुद्दो पर चर्चा की। शुक्रवार को इटारसी से खंडवा स्टेशन तक विंडो निरीक्षण पर पहुंचे पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक एसके सिंह ने विशेष ट्रेन से इटारसी से लेकर खंडवा तक के सभी स्टेशनो को विंडो निरीक्षण कर व्यवस्थाओ का जायजा लिया। उन्होंने साथ चल रहे संबंधित विभाग के अधिकारियो को आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए। निरीक्षण के उपरांत शाम के वक्त न्यूयार्ड स्थित डीजल और लोको शेड पहुंचे जीएम एसके सिंह ने गार्डन का लोकार्पण किया। इस दौरान डब्ल्यूसीआरएमएस के पदाधिकारियो ने महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर समस्याओ से अवगत कराया। ज्ञापन के जरिए संघ के पदाधिकारियो ने लोको और डीजल लोको शेड का मुद्दा उठाया। संघ ने न्यूयार्ड मार्ग की बदहाली, कर्मचारियो के आवास की स्थिति से भी जीएम को अवगत कराया। इस दौरान, भगवती वर्मा, सरताज हुसैन, डीजल शाखा के मनोज वलोसिया, हिरामन, अशोक फ्रिके, तेजराम सोनू, आनंद, मालवीया, पुरुषोतम, रामराजा, विनोद आदि संघ के कार्यकर्ता मौजूद थे।

विद्यार्थी सर्दी-जुकाम से भी पीड़ित हुए, तो आईसोलेशन रूम में बैठकर देनी होगी परीक्षा

भोपाल, शप्र। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी सर्दी-खांसी, जुकाम जैसे लक्षणों से भी पीड़ित हुए, तो उन्हें आइसोलेशन रूम में बैठकर परीक्षा देनी होगी। यह निर्देश शुक्रवार को मंडल ने जारी किए है। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की स्थगित बारहवीं की परीक्षा 9 जून से दो पालियों में शुरू होगी। कोरोना वायरस के चलते मंडल द्वारा दिन-प्रतिदिन निर्देश जारी किए जा रहे है। शुक्रवार को जारी निर्देशों में कहा गया है कि विद्यार्थियों का थर्मल स्क्रीनिंग में तापमान अधिक पाए जाने पर अथवा तापमान सामान्य होने पर भी उसमें सर्दी-खांसी, जुकाम जैसे लक्षण होने पर परीक्षा केंद्र पर निर्धारित किए गए आइसोलेशन कक्ष में बैठाकर परीक्षा में शामिल कराया जाए। थर्मल स्क्रीनिंग में तापमान अधिक होने के साथ उसमें सर्दी-खांसी, जुकाम जैसे लक्षण होने पर परीक्षार्थी को आइसोलेशन में परीक्षार्थी को शामिल कराया जाए। परीक्षा उपरांत कोरोना टेस्ट कराने की सलाह दी जाए। परीक्षा में संलग्न सभी शिक्षक, कर्मचारी या अन्य अमले की भी नियमित स्क्रीनिंग कराई जाए।

माशिमं के बारहवीं परीक्षा को लेकर निर्देश

इस साल योग दिवस का कार्यक्रम वर्चुअल होगा

नई दिल्ली | इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोई सामूहिक समारोह नहीं होगा और इसे डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम 'योग एट होम एंड योग विद फैमिली' है। ऐसे में लोग अपने घरों से 21 जून की सुबह 7 बजे योग दिवस समारोह में शामिल हो सकेंगे। आयुष मंत्रालय ने इस वर्ष लेह में भव्य कार्यक्रम की योजना बनाई थी, लेकिन उसे महामारी के चलते रद्द करना पड़ा है। इसके अलावा इस बार आयुष मंत्रालय 'माई लाइफ-माई योग' प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। प्रतिभागियों को 3 यौगिक अभ्यासों (क्रिया, आसन, प्राणायाम, बंध या मुद्रा) का 3 मिनट का वीडियो फेसबुक, ट्विटर या इंस्टाग्राम पर #MyLifeMyYoga पर अपलोड करना होगा।

भर्ती विज्ञापन के अनुसार नियुक्तियां 12 माह के लिए हुई थीं, परंतु मात्र पांच महीने में ही निरस्त कर दी गईं

भोज विवि ने अतिथि विद्वानों को किया बाहर, विरोध शुरू

मेरी नौकरी

भोपाल • डीबी स्टार

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने अतिथि विद्वानों की नियुक्तियां मात्र 5 महीने में ही निरस्त कर दी है। इसके चलते अतिथि विद्वान लामबंद हो गए हैं। वे भोज विवि की कार्रवाई को नियम विरुद्ध बताते हुए विरोध कर रहे हैं। जबकि विवि की कहना है कि हमेशा की तरह इस बार भी शिक्षा सत्र खत्म होने के कारण सेवाएं निरस्त की गई हैं।

प्रबंध बोर्ड से अनुमति के बिना ही कुलपति ने दे दी मंजूरी

अतिथि विद्वानों का आरोप है कि भोज विवि के अधिनियम के अनुसार प्रबंध बोर्ड द्वारा की गई नियुक्तियां बोर्ड ही निरस्त कर सकता है। परंतु अतिथि विद्वानों के मामले में कुलपति प्रो. जयंत सोनवलकर ने प्रबंध बोर्ड को दरकिनार कर स्वतः ही फैसला ले लिया। उन्होंने अतिथि विद्वानों की नियुक्तियां निरस्त करने को अपनी मंजूरी दे दी। इसके बाद रजिस्ट्रार डॉ. एचएस त्रिपाठी ने आदेश भी जारी कर दिया। जल्दबाजी में निकाले गए आदेश में समाप्त की जगह निरस्त शब्द का उपयोग किया गया है।

राज्यपाल से लगाई गुहार...

इस संबंध में अतिथि विद्वानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल लालजी टंडन, और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से गुहार लगाई है। उनका कहना है कि कोरोना के इस संक्रमण काल में अतिथि विद्वानों के हित में निर्णय लेकर निरस्त नियुक्तियां यथावत रखी जानी चाहिए।

सत्र भी नहीं हुआ समाप्त, फिर भी निरस्त कर दी नियुक्तियां

अतिथि विद्वानों का कहना है कि विवि ने उच्च शिक्षा विभाग के जिन आदेशों का हवाला देकर नियुक्ति का विज्ञापन निकाला था, उनका ही पालन नहीं हो रहा है। विज्ञापन के अनुसार ये नियुक्तियां 12 माह के लिए होनी थी परंतु ये 5 माह में ही निरस्त कर दी गईं। जबकि अभी शैक्षणिक सत्र समाप्त नहीं हुआ है और न ही परीक्षाएं। सत्रीय कार्य और प्रैक्टिकल होना अभी बाकी है।

सत्र खत्म तो सेवाएं समाप्त

अतिथि विद्वानों की सेवाएं एक सत्र के लिए ली जानी थी। सत्र खत्म हो गया है। नए सत्र में दोबारा नियुक्ति की जाएगी।

प्रो. जयंत सोनवलकर,
कुलपति, भोज मुक्त विवि